

राष्ट्रमंडल का भवषिय

प्रलिसः

राष्ट्रमंडल राष्ट्र, बरटिसि राजतंत्र, गणराज्य । ।

मेन्स के लरः

राष्ट्रमंडल की प्रासंगकलता और उसका भवषिय ।

चर्चा में क्यों?

यूनाइटेड कगिडम की **महारानी एलजिाबेथ द्वततीय** की मृत्यु, न केवल बरटिसि राजतंत्र के एक युग के अंत का प्रतीक है, बल्कि 14 राष्ट्रमंडल कषेत्रों, जनिकी वे प्रमुख थीं, के लरि भी एक नरिणायक बढि है ।

पृष्ठभूमिः

- महारानी एलजिाबेथ द्वततीय की मृत्यु के बाद से 14 देशों के सामाजकि-आरथकि परसिथति में महत्त्वपूर्ण परविरतन हुआ है ।
- इन 14 में से कई देशों ने **गणतंत्र** स्थापति करने और **बरटिसि राजशाही** से ऐतहिसकि संबंधों से मुक्त होने का आह्वान कथि ।
 - गणतंत्र, सरकार का वह रूप है जसिमें "सरवोच्च शक्तलोगों और उनके चुने हुए प्रतनिधियों के पास होती है" ।
 - इस प्रकार यह संभावना है करिानी के उत्तराधिकारी, **राजा चार्ल्स III** के शासनकाल के दौरान अधकि राष्ट्र **बारबाडोस** के नकशेकदम पर चलेंगे ।
 - **2021** में बारबाडोस **बरटिसि सम्राट** को राज्य के प्रमुख की भूमकि से हटाने और उन्हें एक राष्ट्रीय सरकारी अधिकारी के साथ प्रतसिथापति करने वाला 18वाँ देश बन गया ।

राष्ट्रमंडलः

- **वषियः**
 - राष्ट्रमंडल 56 देशों का एक संगठन है जसिमें मुख्य रूप से पूर्व में बरटिसि उपनविश रह चुके राष्ट्र हैं ।
 - इसकी स्थापना **1949** में लंदन घोषणापत्र द्वारा की गई थी ।
 - जबकि राष्ट्रमंडल के सदस्य मुख्य रूप से अफ्रीका, अमेरिका, एशिया और प्रशांत में स्थति हैं, उनमें से कई उभरती अरथव्यवस्थाओं में इस समूह के तीन यूरोपीय सदस्य साइप्रस, माल्टा और यूके हैं ।
 - राष्ट्रमंडल के वकिसति राष्ट्र ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और न्यूज़ीलैंड हैं ।
- **गणराज्य और कषेत्रः**
 - राष्ट्रमंडल में गणराज्य और राज्य दोनों शामिल हैं ।
 - बरटिसि सम्राट राज्य का प्रमुख है, जबकि गणराज्यों पर नरिवाचति सरकारों द्वारा शासन कथि जाता है, **सविय पाँच देशों के बरुनेई दारुससलाम, इस्वातनी, लेसोथो, मलेशिया और टॉंगा, ये प्रत्येक देश स्व-शासति राजतंत्र है ।**
 - ये कषेत्र एंटीगुआ और बारबुडा, ऑस्ट्रेलिया, बहामास, बेलीज, कनाडा, ग्रेनाडा, जमैका, न्यूज़ीलैंड, पापुआ न्यू गिनी, सेंट कटिस एंड नेवसि, सेंट लूसिया, सेंट वरिंस्ट और ग्रेनेडाइस, सोलोमन द्वीप और तुवालु हैं ।

राष्ट्रमंडल की वर्तमान दुनयिा में प्रासंगकलताः

- यदयपि महारानी की मृत्यु के बाद राष्ट्रमंडल एक पुराने मंच की तरह लग सकता है, फरि भी यह एक उपयुक्त प्रासंगकलता बरकरार रखता है जसिने **बरटिसि साम्राज्य के वधितन के बाद भी समय के साथ इसे कायम रखा है ।**
- बहुपकषीय कूटनीतिा के युग में जहाँ राज्य अपने वचिार व्यक्त करने, अपने हतिां को आगे बढाने और वैश्वकि मानदंडों को आकार देने के लरि एक मंच चाहते हैं, **राष्ट्रमंडल ठीक ऐसा ही मंच प्रदान करता है ।**

- सम्राट केवल **प्रतीकात्मक मुखिया होता है**, स्वतंत्र वशिव के नेता राष्ट्रमंडल का काम करते हैं।
- अपने पूरे शासनकाल में महारानी एलजाबेथ ने संगठन को समर्थ बनाने और समूह की प्रासंगिकता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, साथ ही नियमिति रूप से दुनिया भर के राष्ट्रमंडल देशों के नेताओं से मिलने के लिये यात्रा की।

राष्ट्रमंडल का भवषिय:

- ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और बहामास के भवषिय में गणतंत्र बनने की संभावना है।
- पाँच अन्य कैरिबियाई देशों- एंटीगुआ और बारबुडा, बेलीज़, ग्रैनाडा, जमैका तथा सेंट कटिस एवं नेविस में सरकारों ने इसी तरह से कार्य करने के अपने इरादे का संकेत दिया है।
- इस प्रकार यह कल्पना से परे नहीं है कि महारानी एलजाबेथ की मृत्यु के बाद राष्ट्रमंडल का महत्त्व कम हो सकता है और उपनिवेशवाद के इतिहास का सामना करने वाले राष्ट्र सहायक एवं संसाधन नषिकर्षण के साथ खुद को गणराज्यों के रूप में स्थापति करने के लिये आगे बढ़ेंगे।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. सर स्टैफर्ड क्रपिस की योजना में यह परकिल्पना थी कि द्वितीय युद्ध के बाद

- भारत को पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की जानी चाहिये
- स्वतंत्रता प्रदान करने से पहले भारत को दो भागों में वभिजति कर देना चाहिये
- भारत को इस शर्त के साथ गणतंत्र बनाना चाहिये कि वह राष्ट्रमंडल में शामिल होगा
- भारत को डोमिनियम स्टेटस दे देना चाहिये

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- द्वितीय विश्वयुद्ध में भारत का सहयोग पाने के लिये वर्ष 1942 में ब्रिटिश सरकार द्वारा स्टैफर्ड क्रपिस की अध्यक्षता में क्रपिस मशिन भेजा गया था।
- क्रपिस मशिन का प्रस्ताव था कि भारत को यूनाइटेड किंगडम से संबद्ध एक डोमिनियन का दर्जा दिया जाएगा। इसके अलावा इसने द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद भारत के डोमिनियन के लिये संविधान तैयार करने हेतु एक संविधान सभा की स्थापना का भी सुझाव दिया।
- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद और जवाहरलाल नेहरू भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के आधिकारिक वार्ताकार थे। क्रपिस प्रस्ताव पर वार्ता वफिल रही और अंततः भारत छोड़ो आंदोलन की शुरुआत हुई।

अतः विकल्प (d) सही उत्तर है।

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिर कीजिये: (2010)

- राष्ट्रमंडल का कोई चार्टर, संधिया संविधान नहीं है।
- एक बार ब्रिटिश साम्राज्य (क्षेत्राधिकार/नियम/जनादेश) के अधीन सभी क्षेत्र/देश स्वतः ही इसके सदस्य के रूप में राष्ट्रमंडल में शामिल हो गए।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- केवल 1
- केवल 2
- 1 और 2 दोनों
- न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- राष्ट्रमंडल, जिसि कॉमनवेल्थ ऑफ नेशंस भी कहा जाता है, संप्रभु राज्यों का एक संघ है जिसमें यूनाइटेड किंगडम और इसके 53 पूर्व उपनिवेश शामिल हैं जो दोस्ती तथा व्यावहारिक सहयोग के संबंधों को बनाए रखने के लिये इसमें शामिल हुए हैं।
- राष्ट्रमंडल सदस्य राज्यों का एक स्वैच्छिक संघ है और इसकी कोई चार्टर, संधिया संविधान नहीं है। **अतः कथन 1 सही है।**
- राष्ट्रमंडल का सदस्य बनने के लिये किसी देश को इसकी सदस्यता हेतु आवेदन करना होता है। इसके अलावा सभी पूर्व ब्रिटिश उपनिवेश राष्ट्रमंडल के सदस्य नहीं हैं जैसे संयुक्त राज्य अमेरिका। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

स्रोत: द हिंदू

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/future-of-the-commonwealth>

